प्रेस विज्ञप्ति **07/12/2015**

"शिक्षा में गुणवत्ता" पर एक विचार-गोष्ठी

आज दिनांक 07 दिसम्बर, 2015 मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के सर पदमपत सिंघानिया सभागार में मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं टैलेंट डेवलपमेंट काउन्सिल के संयुक्त तत्वाधान में "शिक्षा में गुणवत्ता" पर एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित गोष्ठी के मुख्य अतिथि- महामहिम श्री राम नाथ कोविंद , माननीय राज्यपाल बिहार थे।

श्री पदम् कुमार जैन, उपाध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं आयोजित समारोह के अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि, पधारे हुए सभी आगंतुको एवं मीडिया कर्मियों का स्वागत किया एवं बताया की शिक्षा में अपने देश की संस्कृति के सम्बन्ध में तथा विद्यार्थी को धनार्जन योग्य विकसित करना अति आवश्यक है।

श्री जैन जी ने यह भी बताया की मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश को हुए 80 सालों से अधिक हो चुके है, व्यापार तथा उद्यमियों की समस्या का निराकरण करने में सतत मदद करता आ रहा है।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री राम नाथ कोविंद , माननीय राज्यपाल बिहार ने "शिक्षा में गुणवत्ता" पर विचार व्यक्त करते हुये सूचित किया की वर्तमान समय में शिक्षा का विस्तार शहरों के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण अंचलों तक हो चुका है। शैछिक विकास के द्वारा देश का विकास निश्चित रूप से हुआ है। परन्तु शिक्षा की समस्याएं कम नहीं हुई है। शिक्षा आज सिलेबस और डिग्री तक सिमट कर रह गयी है । शिक्षा में योग्यता का अभाव प्रतीत होने लगा है। यही कारण है कि आज हम शिक्षा की गुणवत्ता पर विचार एवं मंथन कर रहे है। यदि हम सरकारी स्कूलों पर द्रष्टि डालें तो शिक्षा की गुणवत्ता के अभाव में उच्च वर्ग और माध्यम इन स्कूलों में अपने बच्चो को पढाना नहीं चाहता । यदि हम प्राइवेट और पब्लिक स्कूलों की बात करें तो वहां की शिक्षा इतनी महंगी है कि साधारण परिवार उसका वहन नहीं कर सकता। इस कारण निर्धन परवारों के बच्चो की प्रतिभा विकसित नहीं हो पाती। टैलेंट डेवलपमेंट काउन्सिल भी विगत 8 वर्षों से सराहनीय कार्य कर रहा है।

यहा भी आवश्यक है कि शिक्षा रोजगार प्रदान कर सके इसीलिए किसी विशेष क्षेत्र में दछता प्राप्त करना आवश्यक है । केंद्र तथा राज्य सरकारों ने दछता विकास की अनेक योजनायें बनायी है । इनके माध्यम से "दछता विकास" का कार्य किया जा रहा है । परन्तु यह आवश्यक है जिन कार्यों के लिए उद्योग-व्यापार को कुशल कर्मचारियों की आवश्यकता है, उन्ही कार्यों के सम्बन्ध में दछता प्रदान की जाए । अतः यह आवश्यक है कि उद्योग तथा शिक्षा संस्थानों मध्य समन्यव हो।

विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. बी.एम. अग्रवाल ने अपने विचार क्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के विषयों में आधार भूत सिद्धांतों पर बल दिया जाय और शिक्षा के साथ-साथ चरित्र एवं संस्कारों का समन्वय की आवश्यकता को समझा जाय । संस्कारों से ही वास्तव् में शिक्षा सम्पूर्ण होती है । समारोह के संस्था अध्यक्ष मदन लाल जैन ने मुख्य अतिथी का परिचय कराया। सचिव आर.सी.गुप्ता टैलेंट डेवलपमेंट काउन्सिल द्वारा किये गए विगत 8 वर्षों के क्रिया कलापों पर प्रकाश डाला । धन्यवाद सी.ए. राज मेहरोत्रा ने दिया एवं संचालन श्री अनिल गुप्ता ने किया।

मुख्य अतिथि ने विशिष्ट समाज सेवी रमेश अग्रवाल, सुरेन्द्र गुप्ता, डॉ ए.एस.प्रासाद, योगेश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, टीकम चन्द्र सेठिया, आर.के.अग्रवाल., राकेश भार्गव, पवन दुबे का सम्मान किया।

उपस्थित गणमान्य: श्री.ए.के.सिन्हा, सचिव, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, श्री सुशील कनोडिया, श्री ईश्वर चन्द्र गुप्ता, श्री बी.एम.गर्ग, श्री अतुल कनोडिया, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं टैलेंट डेवलपमेंट काउन्सिल के सदस्य उपस्थित थे ।

धन्यवाद
मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उतर प्रदेश

(ए.के.सिन्हा)
सचिव